

निर्भनतय ॥ अथनतुयुतभादुदुका ॥ तिचनतुयराग
दुदुविमदुपरायम मरुदुनेमरुमय दुरुयदुयनमः ॥
यणिधिगुदाम ॥ अनतुयुतभादुदुमेउमिदुभिकेमव ॥
उयेनरागत्राघभादुमठयपुम ॥ श्रीदुदुउवाम ॥
अनतुयुतभादुदुमवपपदुमुठम यणिधिगुदाम ॥ अनतुयु
कामदुलपुमम सुलमकेमदुदुभाभिठदुपमेवप उमि
दुलेपदुउदुमुठमिठिठिः यणिधिगुदाम ॥ अनतुयु
उमदुदुवदुवमविमंवर केनमेउदुमुमीलेवममपदुपेउम
ठगवदुवलेममदुपदुगदुपदु दुरुदुदुदिदुगत्राघ उये
मनंमुउंमर कदुउकेनमंभादुदुमुदुउमदुदुम कदु
उमदुकमम मेकपुमिठिभानवः ॥ दुरुदुउवाम ॥ अनतुयु
वदुमदुठदुयदुउंमनंदिउम मुउयेनमीलेनदुति
भजिलठेवः दुरुयदुवउंमनं उयेमनंउदुदुमुदुमुदु
नंमुमिठेवदुि हनतुयुतभादुमम यणिधिगुदाम ॥ कदुम
दुियउेनघविणिठकेमकमव अनतुयुतभादुदुदुयवाम

विष्णुभक्तकलः मभिसंकाशकः पाकमभुक्तपेदं पाक
ममभक्तिः प्रलयमभनतुदिभनतुलमभुते ॥ यणिसिभवा ॥
मनतुभनदुविपिबुदिभनान्ननः केनेमभुतमीलेमभुले
केभुक्तमिभम ॥ तउभुवेमभमभौन वमहेपुनभेडुम ॥ श्रीद
भुउवम ॥ सुभीदुलादुउयुगेभमभुतभवेद्विभः वभि
भुगेभुभुतेवमवेमभुपाभुगः कुरुपुभीभुतभंमभवल
कालभंयुतभ ॥ कुरुभंभेभमभेभमभुतेविपिनततः उभुः क
लेनभंयुतदुदिभुतलद ॥ मीतानभभुमीलाभभवल
काललदिउ ॥ भुकेमभमभनयनवभभनपिडनद भउम
उभुः कलेनभुभदभेनपीडत भिभुनभनमीगीभउभुनपुं
गड ॥ भउभमभभदभंभभुः ददपीडितः मीलयाभुभिउ
विभुः कभलभभुमभद ॥ उउभुभुभुनयभपयेभद्विभः
भनः भभभुक्तभंभभभेभभभियवगदिभी ॥ दमीलंक
कभंभभंनिहंकलदकगिलीभ ॥ भपिमीलपिडनेदग
दभंभुभउभ ॥ उउभुभददभदलीत ॥ ७ ॥ विभु भभुलनि
विमिभुलिमेभननिकभेतिभ नीलेः पीडेभुभभेचलेवैलेः

म

ठुठुंठेरायभभमुमुधंममकगभा ममत्रमभभभूँभभ
दंउजवभभभा मउदुमुंभत्रयउंठकुमेवंएनभनभा उ
धविष्टभनमीलपप्रष्टभीकममुकभा मष्टःकिमिति
उदुउकिमिंप्रणिउंएन ॥ **भ्रियकुमः** ॥ ननउंएं
उंउंभवपपदंमुठभा भवकभठलभप्रिदुउउंभ
रभुनि ॥ **मीलैराय** ॥ भभपिवउंमदूकतिष्टुउ
भउभभा विणनकीरुमंउभु किंउंकिंमप्रएयैभा ॥
भ्रियकुमः ॥ वयभभ्रमः पुनंमगडभ्रगिउभ्रु ॥
एउउभनउंएंप्रएयभैएनभपि भ्रुनउंउलनं
मगेणभनभसपिव मप्रपिकउयंदद भ्रुहृनगुउनव
एकविभ्रयमउंउ ठकयेमपंभ्रयभा ॥ ५३उंउमीगीन
भ्रुगिउंनिलेगद उमउंभैपनिउभ्रभनउंविमुकु
पिलभा कगयिदभ्रवलनउमलठनवउमैः भ्रुप
यदंमभ्रुलउभ्रभ्रैविमेषः एदुदिकगवक्रवमदू
मदूगमण दभभ्रुदभ्रभ्रुधभमनउंनभैभ्रुउं उंननवि
एननप्रएयदभ्रमभ्रभा गवैःभ्रुधभ्रप्रपैमीपैनैवदभ्रुउं

५

म. रं
क.
७

+

[illegible]

सं
कः
८

भयमंष्टि ननतेदीक्षितेभयउसुहवमनंउसु पडिउंभमकी
 उले वहुसुहकलहियल उषुनयेनपालन सुमुमिउंभ
 भयभउतंउतद्विसेतुमः ५संभउरविमुनू मनउंमन
 यभुदभं भद्वेगसुहिरासूधुभगदंनणउकः प्रलंदू
 • छभुमेधलभेनउदेवभूमः भद्वेवभउतेविभूयमिउ
 भूभिभभूदू मन्नंमीयतभर विमद्वपयगहउ मन्नंमम
 द्वेवभउतेनतः भुदःभभमि मउदुसंभीउवभुंमद्वमनगम
 गभा पादिनेनगललान्दु वुविंउगिउंका नद्वमभठलं
 मदीविउंममलीविउभा वद्वननमयभभंभगदंनण
 उकः ॥ विमूविनिमूउंभमभप्रलवेठवभा पनपुचि
 सुलेभूभेदसुउंभकलठः उद्वुभिभनः भद्विसेठ
 गवमय भनभउयेयधवद्वगैवधनभुव भभुगिउं
 गमठसुगलेनैगिभभणः भकल सुउवभभः किमउद्व
 मभभूठे ॥ श्रीभनउउयम ॥ येभेवकः भवेविभू
 विभुयगविउंठवग उधमिउयमिभुयद्विरयद्वमभ
 ल नकममिद्वमि विउंमकभनः भुगठवभा गदिउभउ

भयमंष्टि ननतेदीक्षितेभयउसुहवमनंउसु पडिउंभमकी
 उले वहुसुहकलहियल उषुनयेनपालन सुमुमिउंभ
 भयभउतंउतद्विसेतुमः ५संभउरविमुनू मनउंमन
 यभुदभं भद्वेगसुहिरासूधुभगदंनणउकः प्रलंदू
 • छभुमेधलभेनउदेवभूमः भद्वेवभउतेविभूयमिउ
 भूभिभभूदू मन्नंमीयतभर विमद्वपयगहउ मन्नंमम
 द्वेवभउतेनतः भुदःभभमि मउदुसंभीउवभुंमद्वमनगम
 गभा पादिनेनगललान्दु वुविंउगिउंका नद्वमभठलं
 मदीविउंममलीविउभा वद्वननमयभभंभगदंनण
 उकः ॥ विमूविनिमूउंभमभप्रलवेठवभा पनपुचि
 सुलेभूभेदसुउंभकलठः उद्वुभिभनः भद्विसेठ
 गवमय भनभउयेयधवद्वगैवधनभुव भभुगिउं
 गमठसुगलेनैगिभभणः भकल सुउवभभः किमउद्व
 मभभूठे ॥ श्रीभनउउयम ॥ येभेवकः भवेविभू
 विभुयगविउंठवग उधमिउयमिभुयद्विरयद्वमभ
 ल नकममिद्वमि विउंमकभनः भुगठवभा गदिउभउ

मविह्विकारल उदरः जमिधल विमोय उम्रुदुतं वने
 यैव सुदुय मधुः उंदि सं विवि विराः उरुयितु
 मद्रुचं भव धि सुक लपिभः सुवै प्रगि १ रिगु मी विपनः
 प्रगि उधनिः काद्रु पूरालक मधे रणीलव मभम मरु
 उमृमि मक गदिली भुव पदिल किउ मडि मी उन पप
 नम उं कुरि राने वने विम मभलिल धेरे निव मरु इहः पि
 उः मापु मी सुपू यी उ मय द्रु क च उ पग भेरे धे उ निहं
 दः पम रि राने उरि मपु द्रु उ न ठ उः पप म उ म म मी उ म
 पुठ उ उ मी क द्रु म म उ म उः म म उ उ न प प न उ म
 मी गी १ रय उ सुदु म उ व कुर निरु म म प म प म यु क
 लि क उ उ न म उ म उ म उ विर म क प म उ म उ उ न ग दं
 का पि क उ ले क म म उ रि मी ठ व र न उ म म म उ प म म
 म उ ध उ ठे म व म उ न ले प नः जे क म वि प क न उ प म
 क प उ यै व ठे ठ व उ म म क न ने ग म ग म ठे उ व क उ म
 मि उ वि म उ व लि क उ उ यै ग कः म म द म म उ म मि मु वि
 म र नः म उ उ म म म म नि वि न क उ म क म कः

म.

म. ३
 क.
 ५

अत्र चरन्तं पश्यन्तं शापदं विवक्षितः विदुः प्रमुक्तुलवपुतं
वदन्ति ठवगं विद्विषिपिलिङ्गं प्रमुयधुनभटः अलं
दिकः अलमिषः जगदुठगुगः वदुः कलकपलभं
विणिहितापुत्रव उदुजं उभयभवं विभुगमुयषाभुयभ
उमगुदभपिदुदियेनउयतिभुदुतिभ निगिहभालभानभु
मीलयपठिठधितभ निकेजं निरां टुका विदुः ठलकसा
पलभु मगुउ भननु एवदलिनयपल्लम एमजकभ
मेकां ठेजयेन ठविष्टम उतिम्व वरं म्वं रागभ
विनिषं भः मन्नं रुतिः के लिट्टे पुगुं म्दं मकग
उभुभभ उदुं मगुलकीः विभुल उदुवेमनि भवि
मृदुवभे एम रुनवाङ्कित भुभभ मृदुपटभरुव
भूठिगा विविण्णदिसाः मभप्रमीलयभ ठं रिमिवं
भनः ममीप्रभनवपुधा उराः प्रल्लभयं वपः ऊन
ऊपल्लगगनमृदुपिभापुतिः मन्नतु मृदुप
न मभुजीलिनपा क्व भवपापविमुदु म्दं विपु
लेकभगमुति एउदु उवगं एं रतिवद कर्ति

म
म
म

यः

[illegible]

५३





